



INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

<b>Class: X</b>	<b>Department: Hindi (2nd Lang.)</b>	
<b>Revision Worksheet</b>	<b>Topic: अर्थग्रहण</b>	<b>Note: Please file in portfolio.</b>

1 नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए—

मध्यप्रदेश के देवास जनपद में लोगों के संकल्प और पुरुषार्थ से 1067 तालाब बनाए गए। पर्याप्त संख्या में तालाब न होने से मध्यप्रदेश में पानी की कमी बनी रहती है लेकिन देवास में पानी की किल्लत खत्म हो गई है। ऐसा ही संकल्प अगर देश के हर गाँव और कस्बे में रहने वाले लोगों में आ जाए तो पानी को लेकर हाहाकार की स्थिति किसी गाँव में नहीं होगी। परंपरागत तालाब संस्कृति को पुनर्जीवित किए बिना हर गाँव में तालाब संस्कृति का पुनर्वास नहीं हो सकता। आज देश के 254 जिलों में पानी की भारी किल्लत है। इससे यहाँ की आबादी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी का अत्यधिक दोहन और पानी की खपत बढ़ने के कारण पिछले 30-40 वर्षों में पानी की समस्या तेज़ी से बढ़ी है। एक तरफ तो पानी की प्रति व्यक्ति माँग निरंतर बढ़ती जा रही वहीं दूसरी ओर देश की आबादी भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पानी की माँग बढ़ेगी और उसकी उपलब्धता कम होती जाएगी। केंद्रीय मौसम विज्ञान के अनुसार देश की कुल वार्षिक वर्षा 1170 मि- मी- होती है] वह भी महज़ तीन महीने में लेकिन इस आकृत पानी का इस्तेमाल हम महज़ 20% ही कर पाते हैं अर्थात् 80% पानी बिना इस्तेमाल यों ही बह जाता है। अगर बरसात के पानी को संरक्षित करने की योजना पर अमल करें तो पानी की कमी से ही छुटकारा नहीं मिलेगा बल्कि पानी को लेकर होने वाली राजनीति से भी हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

प्रश्न 1 जल को लेकर होने वाली राजनीति को कैसे दूर किया जा सकता है?

- जल को लेकर कोरी राजनीति करके।
- जल को लेकर राजनीति न करके।
- जल संबंधी कानूनों का निर्माण करके।
- जल संरक्षण की योजना पर अमल करके।

प्रश्न 2 देवास निवासियों की जल-समस्या का समाधान हुआ—

- जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से तालाबों का निर्माण करके।
- जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से धरना-प्रदर्शन करके।

- c. जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से राजनीति करके।
- d. जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से कानून-निर्माण करके।

प्रश्न 3 वार्षिक वर्षा का कितने प्रतिशत जल बरबाद हो जाता है?

- a. 80 प्रतिशत
- b. 20 प्रतिशत
- c. 30 प्रतिशत
- d. 40 प्रतिशत

प्रश्न 4 देश की जल संबंधी समस्या का सर्वोपयुक्त समाधान है—

- a. वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना बनाना।
- b. वर्षा के जल को संरक्षित करने हेतु कानून बनाना।
- c. वर्षा के जल को संरक्षित करने पर विचार-विमर्श करना।
- d. वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना पर अमल करना।

प्रश्न 5 निम्नलिखित में से क्या जल की बढ़ती किल्लत का कारण नहीं है?

- a. जल की बढ़ती खपत
- b. देश की बढ़ती आबादी
- c. तालाबों का संरक्षण
- d. जल का अत्यधिक दोहन

2 सोना तपने पर कंचन बनता है। ठीक यही बात आदमी के साथ भी है। हमारे धर्मग्रंथों में कहा गया है कि दुनिया में सबसे दुर्लभ आदमी का शरीर है। सारे प्राणियों में आदमी को ऊँचा माना गया है और वह इसलिए कि आदमी के पास बुद्धि है विवेक है। संसार में जितनी चीजें आविष्कृत हुई हैं सब बुद्धि के जोर पर हुई हैं। आज हजारों मील की यात्रा घंटों में हो जाती है। यह सब आदमी की बुद्धि से ही संभव हुआ है। जिसके पास इतनी चीजें हों वह धन या दुनियादारी की चीजों के पीछे भटके यह उचित नहीं है। बुद्धि का प्रयोग उसे बराबर आगे बढ़ने के लिए करना चाहिए। जिन्होंने ऐसा किया है उन्होंने मानवता की बड़ी सेवा की है। उनका नाम अमर हो गया है। धन का खोट आदमी को तब मालूम होता है जब वह खरा बनने लगता है। खरा बनने का अर्थ यह नहीं है कि इनसान घर-बार छोड़ दे जंगल में चला जाए और भगवान के चरणों में लौ लगाकर बैठा रहे। बहुत—से लोग ऐसा करते भी हैं] पर यह रास्ता सबका रास्ता नहीं है। दुनिया में ज्यादातर लोगों का वास्ता अपने घर के लोगों से ही नहीं] दूसरों के साथ भी पड़ता है। उत्तम पुरुष वह है जो अपनी बुराइयों को दूर करता है और नीति का जीवन बिताते हुए अपने देश और समाज के काम आता है सबसे प्रेम करता है और सबके सुख-दुख में काम आता है।

प्रश्न 1 बुद्धि-विवेक का प्रयोग किस कार्य में होना चाहिए?

- सफर को आसान बनाने वाली खोजों में।
- अधिक से अधिक धन-दौलत जुटाने में।
- निरंतर स्वयं का विकास करते रहने में।
- भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने में।

प्रश्न 2 सभी प्राणियों में मानव को सर्वश्रेष्ठ क्यों माना गया है?

- उसके पास मौजूद बुद्धि और विवेक के कारण।
- पशुओं से भिन्न विशेष शारीरिक संरचना के कारण।
- उसके पास मौजूद धन और दौलत के कारण।
- उसके द्वारा की गई विविध खोजों के कारण।

प्रश्न 3 धन की निरर्थकता का अहसास कब होता है?

- जब उससे मनचाही वस्तु नहीं मिल पाती है।
- घर-संसार का त्याग कर संन्यास ग्रहण करने पर।
- यह पता चलने पर कि इससे प्राप्त सुख वास्तविक नहीं है।
- यह पता चलने पर कि इसकी मौजूदगी खतरे का कारण है।

प्रश्न 4 धर्मग्रंथ किसे दुर्लभ बताते हैं?

- अमर होने को
- बुद्धि-विवेक को
- भौतिक उपलब्धि को
- मानव तन को

प्रश्न 5 'श्रेष्ठ' कौन है?

- प्रेम और मानवता में विश्वास करने वाला।
- निरंतर अपना आर्थिक विकास करने वाला।
- भक्ति और शक्ति में विश्वास करने वाला।
- निरंतर अपना शैक्षणिक विकास करने वाला।

=====